में कई पाप किदो यमदुंता

में कई पाप किदो यम दुता धीरे दो कोड़ा की,

माता पिता को केणो न मान्यो , न तो सुनतो वाकी,
बुढापा में हीडा न किदा , न उड़ाई माकी ,

गरीबा ने गणो लुटतो, कहतो ब्याज बाकी,
गर्भ घमंड में फिरतो रेतों , नाड राखतो बांकी,

पराई नार ने बेन बना ली , राखी डोरा साखी,
पर्दे मोज्या मानतो थूं , नार बना ली घर की,

भोला ढाला ने दुख देतो थूं , रोगी घृणा वांकी,
झूठ कपट से माया जोड़ी , फेर बोल रियो काकी,

राम नाम कधी न भजतो न सत्संग में झांकी,
नूगरो रेग्यो भाईडा रे थारे , गुरु नाथ नही नाकी,

बुद्धपुरी गुरुदेव भीम जी , शारद माता झांकी,
भेरयो गारी गुरु शरण में , प्रभु सुणज्यो माकी ,

गायक - चम्पा लाल प्रजापति मालासेरी डूँगरी
89479-15979

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14231/title/main-kai-pap-kido-yamduta

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |